DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

ट्रेंड स्टॉफ नहीं था, आबादी बढ़ रही थी, इसलिए लिया फैसला

डियर पार्क की 'मिनी जू' की मान्यता खत्म, हिरण दूसरे चिड़ियाघर भेजे जाएंगे

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

मशहूर डियर पार्क की मिनी जू वाली मान्यता खत्म हो गई है। फैसले पर अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि वे हिरणों की बढ़ती आबादी और रखरखाव के लिए ट्रेंड स्टॉफ नहीं होने से इसे बंद कर रहे। पार्क में रह रहे जंगली जीवों को दूसरे चिड़ियाघर में स्थानांतरित किया जाएगा।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने 8 जून को डियर पार्क की मिनी जू के रूप में मान्यता रद्द करने का आदेश जारी किया था। अधिकारियों के अनुसार, डियर पार्क को हिरणों को स्थानांतरित करने के बाद संरक्षित वन के रूप में रखा जाएगा। प्राधिकरण के सदस्य सचिव डॉ. संजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में 30 जनवरी 2023 को प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में निर्णय लिया गया कि डियर पार्क में लगभग 600 जानवरों को ही रखा जा सकता है।

इसकी मान्यता रद्द होने पर क्रमशः 30 और 70 प्रतिशत के अनुपात में इन्हें राजस्थान राज्य और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्राकृतिक आवासों में छोड़ा जाएगा। यह रिलीज इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) और वन्य संरक्षण स्थानांतरण के दिशानिर्देशों का अनुपालन करेगी।

62 साल पहले 6 हिरण के साथ खुला था पार्क

1960 के दशक में पार्क में छह हिरण लाए गए थे। समय के साथ यह संख्या लगभग 600 हो गई है। इसे सीजेडए द्वारा 'मिनी जू' का दर्जा दिया गया था। पार्क जिसे आधिकारिक तौर पर एएन झा डियर पार्क के नाम से जाना जाता है, दक्षिण दिल्ली के हौजखास क्षेत्र में एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट और एक लोकप्रिय हैंगआउट एरिया है।

पंजाब केसरी

डियर पार्क की 'मिनी चिड़ियाघर' की पहचान समाप्त, हिरणों को स्थानांतरित किया जाएगा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली अपना प्रसिद्ध 'डियर पार्क" खोने जा रही है, क्योंकि केंद्रीय अधिकारियों ने 'मिनी चिड़ियाघर' के रूप में इसकी मान्यता रद्द कर दी है और हिरणों की तेजी से बढ़ती संख्या तथा अपर्याप्त श्रमशक्ति के कारण इन्हें (हिरणों को) स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हाल में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सांविधिक निकाय, 'केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण" (सीजेडए) की ओर से इस आशय का एक आदेश जारी किया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''साठ के दशक में इस पार्क में छह हिरण लाये गए थे और समय के साथ यह संख्या लगभग 600 पर पहुंच गयी। इसे सीजेडए द्वारा 'मिनी चिड़ियाघर' का दर्जा दिया गया था।

आधिकारिक तौर पर एएन झा डियर पार्क के नाम से मशहूर यह पार्क दक्षिण दिल्ली के हौज खास इलाके में एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। यह दिल्ली विकास प्राधिकरण

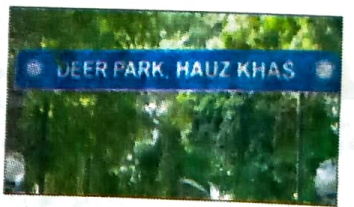

(डीडीए) के अधिकार क्षेत्र में आता है। सीजेडए ने आठ जून को डियर पार्क की 'मिनी चिड़ियाघर के रूप में मान्यता रद्द करने का आदेश जारी किया। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया, ''संख्या में तेजी से वृद्धि, आंतरिक प्रजनन, बीमारी फैलने की आशंका और मिनी चिड़ियाघर को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित श्रमशक्ति की कमी के कारण यह निर्णय लिया गया। सूत्र के मुताबिक, अब राजस्थान और दिल्ली के वन विभाग डियर पार्क के हिरणों के स्थानांतरण के लिए आगे की कार्रवाई करेंगे। सूत्र ने कहा, डियर पार्क एक संरक्षित वन क्षेत्र है और हिरणों को स्थानांतरित करने के बाद भी इसे संरक्षित वन के रूप में बनाए रखा जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
WEDNESDAY, 28 JUNE, 2023 | NEW DELHI ----------DATED----------

DEER TO BE SHIFTED OUT

Deer Park in South Delhi de-recognised as mini zoo

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Delhi is set to lose its famous Deer Park with the central authorities cancelling its recognition as a 'mini zoo' and deciding to translocate the animals due to their rapidly increasing numbers and inadequate manpower.

An order to this effect was recently issued by the Central Zoo Authority (CZA), a statutory body under the Ministry of Environment, Forests and Climate Change, officials said on Tuesday.

"Six deer were introduced in the park in the 1960s and over time, the number swelled to approximately 600. It had been given the status of a 'mini zoo' by the CZA," a senior official said.

The park, officially known as A N Jha Deer Park, in south Delhi's Hauz Khas area is a popular picnic spot and a popular hangout zone. It comes under the jurisdiction of the Delhi Development Authority (DDA).

The CZA issued the order cancelling the Deer Park's recognition as a 'mini zoo' on June 8. "Rapid growth of population, inbreeding, possibility of spread of disease and lack of trained manpower to maintain the mini zoo led to the decision," an official source said. Now, forest departments of Rajasthan and Delhi shall take further action for the translocation of the deer, according to the source. "The Deer Park is a protected forest area and after the deer are shifted, it shall be maintained as a protected forest," the source said.

According to the CZA's order, "A meeting under the chairmanship of Dr. Sanjay Kumar Shukla, Member Secretary, Central Zoo Authority was held on January 30, 2023, to deliberate on the proposal — 'Shifting of deer and cancellation of recognition of A N Jha Deer Park." It was suggested that "since only about 600 animals are stated to be housed in the said zoo, upon cancellation, the captive animals shall be released in natural habitat of the state of Rajasthan and National Capital Territory of Delhi in the ratio 70 per cent and 30 per cent respectively", the order stated.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण
नई दिल्ली, 28 जून, 2023
www.jagran.com

दिखावटी जुर्माने में डूबे नियम

भूजल दोहन को लेकर अधिकारी कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जुर्माना लगाया जाता है तो वसूला नहीं जाता। नोटिस महज औपचारिकता तक ही सीमित है। वर्षा जल संग्रहण प्रणाली है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कहीं भी यह उस प्राथमिकता पर नहीं है कि यदि व्यवस्था नहीं कराई गई तो इसे अपराध के दायरे में माना जाएगा। जो प्रविधान हैं भी, वे औपचारिकता में ही दबे रह जाते हैं।

मास्टर प्लान 2021 के अनुसार

वर्षा जल संग्रहण प्रणाली की क्षमता (क्यूसेक मीटर)

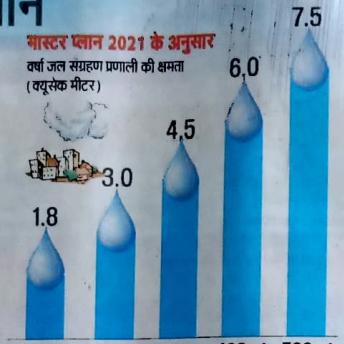

भूजल संचयन के मद्देनजर हुई कार्रवाई

19,661 अवैध ट्यूबवेल की पहचान

11,364 सील किए गए ट्यूबवेल

79.65 करोड़ जुर्माना (वसूला नहीं गया) दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी (डीपीसीसी) द्वारा अवैध ट्यूबवेल पर किया गया

मई में भूजल स्तर की स्थिति

वर्ष	भूजल स्तर (मीटर में)
2022	1.25- 66.01
2021	0.5-64.85
2020	0.94-63.59
2019	1.07-62.64
2018	0.71-65.0

स्रोत : केंद्रीय भूजल नियंत्रण बोर्ड

भूजल स्तर बढ़ाने के प्रयास

- 10 हजार से 50 हजार रुपये तक की सरकारी सहायता का प्रविधान है वर्षा जल संग्रहण प्रणाली लगाने के लिए।
- 22 झीलों व 200 जलाशयों के पुनर्विकास की योजना।
- 50 जलाशयों को झीलों के रूप में विकसित करने का काम शुरू हुआ, पहले चरण में।
- 45 तालाबों व झीलों का विकास पूरा हुआ।

भूजल की स्थिति गुरुग्राम में

गुरुग्राम खंड

गाजियाबाद : वर्ष 2018 से 2023 तक भूजल स्तर में गिरावट

नोट : रजापुर और मुरादनगर ब्लाक में जल स्तर की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। (गिरावट मीटर में)

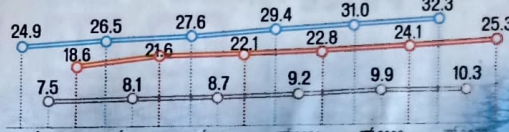

वर्षा जल संग्रहण के नियम और आवश्यक दिशानिर्देश

- 100 वर्ग मीटर और उससे बड़े भूखंड में बने सभी भवनों और जिन घरों से प्रतिदिन 10 हजार लीटर या उससे अधिक पानी की खपत होती है तो वर्षा जल संग्रहण प्रणाली लगाना अनिवार्य है।
- भवन का नक्शा वर्षा जल संग्रहण प्रणाली के बगैर नहीं हो सकता।
- दिल्ली नगर निगम व डीडीए द्वारा पास बिल्डिंग प्लान में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली की व्यवस्था होने पर ही पानी का कनेक्शन देने का प्रविधान।
- वर्षा जल संग्रहण नहीं करने पर पानी के बिल पर 50% जुर्माना लगाकर डेढ गुना बिल वसूल करने का प्रविधान। कनेक्शन काटने का भी प्रविधान।
- स्कूल, कालेज, अस्पताल सहित सभी सरकारी भवनों में वर्षा जल संग्रहण प्रणाली आवश्यक।
- वर्षा जल संग्रहण प्रणाली चालू हालत में होने पर पानी के बिल पर 10% छूट का प्रविधान।

इनपुट : एनसीआर जागरण इन्फो

हिन्दुस्तान

पुनर्वास की मांग के लिए प्रदर्शन आज

नई दिल्ली। मजदूर संगठन ऐक्टू ने बुधवार को दिल्ली के अलग अलग इलाकों से विस्थापित किए गए झुग्गी वासियों के पुनर्वास की मांग को लेकर प्रदर्शन का ऐलान किया है। यह प्रदर्शन बुधवार को दो बजे आईएनए स्थित डीडीए मुख्यालय पर किया जाएगा। जेएनयू छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष सुचेता डे ने कहा कि 16 जून को एनडीआरएफ के बुलडोजर ने पीजी कैंपों में रह रहे लोगों की झुग्गियां उजाड़ दी थीं अब हम उनके पुनर्वास की मांग दोहरा रहे हैं लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि तुगलकाबाद, बेला एस्टेट, कस्तूरबा नगर से हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। सरकार उनके पुनर्वास की व्यवस्था करे।

आवासीय योजना 30 को शुरू होगी

नई दिल्ली। डीडीए की ओर से 30 जून को 15 हजार फ्लैटों के लिए शुरू की जाएगी आवासीय योजना। इसमें रोहिणी, नरेला, सीरसपुर और लोकनारायणपुरम में मौजूद एलआईजी फ्लैट है शामिल। इसके अलावा द्वारका और नरेला के एमआईजी फ्लैट और जसोला के एचआईजी फ्लैट में किए जा रहे हैं इस योजना में शामिल। डीडीए की तरफ से पहले आओ, पहले पाओ की योजना के तहत फ्लैट किए आवंटित किए जाएंगे।

अब हौज़ खास के छोटे चिड़ियाघर में अठखेलियां करते नहीं दिखेंगे हिरण

- केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने एएन झा डीयर पार्क की मिनी जू के तौर पर मान्यता की रद
- डीयर पार्क के 600 हिरणों को राजस्थान और दिल्ली के अभ्यारण्य में किया जाएगा स्थानांतरित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: हौज खौस स्थित एएन झा हिरण पार्क में पर्यटकों को अब हिरण नहीं दिखाइं देंगे। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने इस डीयर पार्क में हिरणों की बढ़ती आबादी को देखते हुए पार्क की मिनी जू (छोटे चिड़ियाघर) के तौर पर मान्यता रद कर दी है। यहां लगभग 600 हिरण हैं, जिन्हें राजस्थान के मुकुंदरा और रामगढ़-विषधारी बाघ अभ्यारण्य और दिल्ली के असोला भाटी वन्यजीव अभ्यारण्य में स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि वन्य अभ्यारण्य में शिकारियों के शिकार की आपूर्ति करने कि लिए पारिस्थतिकीय तंत्र में संतुलन स्थापित हो सके। चूंकि इस पार्क में हिरणों का प्राकृतिक रूप से शिकार करने वाला कोई जानवर नहीं है।

वहीं, असोला भाटी वन्यजीव अभ्यारण्य में तेंदुओं की संख्या भी बढ़ी है, ऐसे में उनके खाने के लिए शिकार की पूर्ति करने को भी आवश्यकता पूरी हो सकेगी। दिल्ली विकास प्राधिकरण को हिरण पार्क को जंगल के तौर पर संरक्षित रखने की जिम्मेदारी होगी। उल्लेखनीय है कि पार्क की शुरुआत 1960 के दशक में कुछ हिरणों को लाने से हुई थी, तब से लगातार हिरणों की आबादी बढ़ती जा रही है। वर्ष 2022 में इन हिरणों की संख्या 550 के आसपास थी, जो अब बढ़कर 600 के करीब हो गई है।

डीयर पार्क में अब चंद दिनों के मेहमान रह गए है हिरण • जागरण आर्काइव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
WEDNESDAY, JUNE 28, 2023

Oh deer! Hauz Khas park loses key attraction

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The famous Deer Park at Hauz Khas is going to lose its unique nature with the Central Zoo Authority (CZA) recently deciding to cancel its recognition as a "mini zoo" and translocate the animals due to their rapidly increasing numbers.

The decision has been taken after a meeting with the agencies concerned, including Delhi Development Authority (DDA) and the Delhi forest department. In an order on June 8, CZA said the spotted deer in the park would be translocated to Rajasthan and Delhi's Asola Bhatti Wildlife Sanctuary in 70:30 ratio. The order stated that the Delhi forest and wildlife department had requested CZA, a statutory body under the Union environment, forests and climate change ministry, to relocate the spotted deer.

Six deer were introduced in the park in the 1960s and over time, the number has swelled to approximately 600, said officials. The park, which comes under DDA, is a popular picnic spot and hangout zone. While DDA officials said the place would continue to be a protected forest, the forest department said they were conducting an assessment to determine the number of deer to be shifted.

File photo

Six deer were introduced in 1960s and over time, the number has swelled to 600

"The rapid growth of population, inbreeding, possibility of spread of disease, lack of trained manpower to maintain the mini zoo has led to the decision. The Rajasthan and Delhi forest departments shall take further action for translocation of the deer," said a DDA official.

"In view of the above facts, the recognition of AN Jha Deer Park, Hauz Khas is, hereby, cancelled as per provisions laid down in Section 38H(6) of Wildlife (Protection) Act, 1972 with a provision to file an appeal before the central government as per provisions laid down in Section 38H(7) of Wildlife (Protection) Act, 1972," stated the CZA order. Spread over around 26 hectares, the park also houses rabbits and ducks.

The order quoted the chief wildlife warden that according to the latest census, the "number of leopards in Asola Bhatti Wildlife Sanctuary has risen to 18 and there is a need to supplement the prey base". A forest and wildlife department official said they were conducting an assessment at the sanctuary to determine how many deer would have to be shifted there. "We will assess and identify the areas within the sanctuary that will be suitable for the deer and will decide on the numbers to be shifted there," added the official.

Given that the ownership of the land is with DDA, all the assets belong to it and no transfer of assets and liabilities is involved in this case, clarified the DDA official.

Activists have, however, opposed the move. "This is a rare irreplaceable sanctuary for wildlife amid this crowded urban chaos and a cherished recreational space that most of our children have grown up with. This decision undermines the importance of preserving natural habitats and sends a wrong message about our commitment to conservation. Conservation efforts should be prioritised, not sidelined," said activist Bhavreen Kandhari.

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 28 जून 2023

डियर पार्क पर लगेगा ताला, हिरणों को किया जाएगा शिफ्ट

सेंट्रल जू अथॉरिटी ने लिया फैसला, 600 के करीब हैं यहां हिरण

पीटीआई, नई दिल्ली

दिल्ली के हौज खास का डियर पार्क बंद होने जा रहा है। सेंट्रल जू अथॉरिटी ने ने ए. एन. झा डियर पार्क की 'मिनी जू' के तौर पर मान्यता रद्द कर दी है। अब इनमें मौजूद करीब 600 हिरणों को राजस्थान और दिल्ली के जंगलों में छोड़ा जाएगा। हालांकि, इस पार्क को संरक्षित वन के रूप में रखा जाएगा, यह जिम्मेदारी दिल्ली डिवेलपमेंट अथॉरिटी की होगी। जानकारी के मुताबिक, डियर पार्क को बंद करने के फैसले के पीछे की एक अहम वजह हिरणों की बढ़ती आबादी है क्योंकि यहां पर उनका प्राकृतिक रूप से शिकार करने वाला कोई जानवर नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, 1960 में इस पार्क की शुरुआत हुई तब यहां पर कुछ हिरणों को लाया गया था। तब से इनकी आबादी में लगातार इजाफा हुआ है, लेकिन डीडीए के कर्मचारी इतनी बड़ी संख्या में हिरणों को संभालने के लिए ट्रेन नहीं हैं।

डियर पार्क को बंद करने के फैसले के पीछे की एक अहम वजह हिरणों की बढ़ती आबादी है

ऑर्डर के मुताबिक, सेंट्रल जू अथॉरिटी के मेंबर सेक्रेटरी डॉ. संजय कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में 30 जनवरी, 2023 को प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें यह सुझाव दिया गया था कि मिनी जू में 600 जानवरों को रखा गया है। ऐसे में मान्यता रद्द होने पर जानवरों को 70 प्रतिशत के अनुपात में राजस्थान और दिल्ली के जंगलों में छोड़ा जाएगा।

PTI

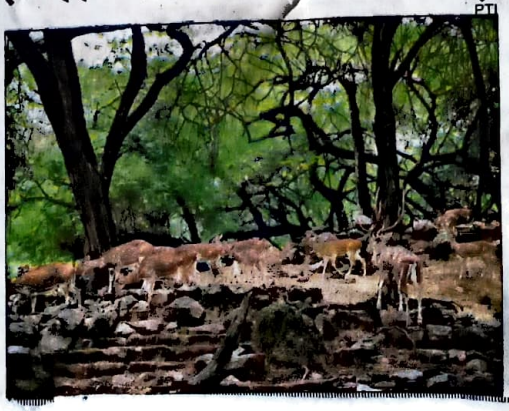

हिरणों को राजस्थान भेजने का था प्लान

जानकारी के मुताबिक, 2022 में पहले यह प्रस्ताव रखा गया था कि सभी हिरणों को राजस्थान के जंगलों में स्थानांतरित किया जाए, लेकिन बाद में सेंट्रल जू अथॉरिटी के अधिकारियों ने बैठक में यह फैसला लिया कि इनमें से कुछ हिरणों को दिल्ली की असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में ले जाया जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times

Delhiwale

EXPERIENCE YOUR CITY LIKE NEVER BEFORE

Mayank Austen Soofi

Oh dear, oh deer!

An iconic park set for a profound alteration

{PUBLIC INTEREST}

It will soon be a civilisation gone with the wind. The iconic Deer Park in Delhi's Hauz Khas is set to completely turn around its character. The number of deer in the park has grown to 600, and the authorities have decided to "translocate" them to the jungles of Rajasthan and Delhi.

And Deer Park will have no deer.

This muggy morning, they are still milling about in their sprawling enclosure, but are difficult to spot. The entire boundary is screened off by green nets. These were put up two weeks ago, a gardener informs, complaining that visitors would irritate the animals by tossing food or worse, stones, at them. Even so, the deer are faintly visible through the see-through fabric—looking calm, probably enjoying their invisibility from pesky humans. Their release into the forests, will be accompanied by new-found freedoms and dangers — some will be dispatched to the Capital's Asola-Bhati Wildlife Sanctuary as potential prey for the leopards there!

The absence of the deer might not be much of a loss for us. The long track, winding about their enclosure, seldom gets crowded. Most visitors drift to the "Batakh Talab," the nearby duck pond. Besides, the enclosure is not instantly accessible. The path stretches along grassy slopes dotted with picturesque lodges marked "Hog Deer Cabin" and "Black Buck Cabin." After which, a left turn, some more walking, and only then you come face-to-face with a painted warning not to feed the deers—see photo (also seen: labourers Neeraj and Gaurishankar).

Deer Park is actually a "mini zoo" set up in 1988, informs a giant signage (its recognition as a zoo has been cancelled by the Central Zoo Authority).

Whatever, today these deer are looking very precious, now when we know that they won't be here for long. Gazing at them is meditative. Some are huddling quietly in pairs, others are wandering around serenely. A giant buck has antlers covered in wild grass, akin to a crown. It is like watching a silent wildlife movie.

After the departure of the deer, Deer Park will still be open to citizens, confirms the Delhi Development Authority. One might then only have to remove "deer" from the garden's full name: AN Jha Deer Park. Or, here's another option. Since the garden has always sheltered romantic couples from the city's prying eyes, it can be rightly renamed Dear Park.

READ: For more stories by Mayank Austen Soofi, scan the QR code